भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई

हिंदी कार्यशाला – प्रतिवेदन

विषय: - राजभाषा कार्यान्वयन : समस्याएँ एवं समाधान

26 जून 2026

भा.कृ.अनु.प.- केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान में 26 जून 2025 को मुख्यालय एवं क्षेत्रीय केंद्रों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए "राजभाषा कार्यान्वयन : समस्याएँ एवं समाधान" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला हाइब्रिड माध्यम में आयोजित की गई। इसमें राजभाषा विभाग, भारत सरकार के पूर्व संयुक्त निदेशक डॉ. विश्वनाथ झा अतिथि वक्ता थे। संस्थान के निदेशक डॉ. एन.पी. साहू कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर संस्थान के संयुक्त निदेशक एवं वरिष्ठ कुलसचिव श्री संजय बोकोलिया, विभिन्न विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारीगण, वैज्ञानिक, प्रशासनिक एवं तकनीकी वर्ग के अधिकारी व कर्मचारी भी उपस्थित थे।

श्री संजय बोकोलिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि हिंदी ही एक ऐसी भाषा है जो पूरे देश को जोड़ती है। यह बात तो सही है कि राजभाषा हिंदी में कार्य करना संवैधानिक दायित्व तो है ही, लेकिन हमें दिल से हिंदी को अपनाना चाहिए न कि संवैधानिक बाध्यता के कारण। राजभाषा हिंदी को प्रभावी रूप से कार्यान्वित करने हेतु हमें पूरे समर्पण भाव से काम करना होगा।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में संस्थान के निदेशक डॉ. एन.पी. साहू ने कहा कि अगर हम अपनी भाषा का सम्मान नहीं करेंगे तो हम अपनी संस्कृति से, अपनी जड़ों से बिछड़ जाएँगे। उन्होंने आगे कहा कि भाषा जोड़ने वाली होती है न कि तोड़ने वाली। जहाँ तक हिंदी का सवाल है, हिंदी का किसी भी भाषा के साथ विरोध नहीं है। हिंदी भारत की सभी भाषाओं को साथ लेकर चलती है और तो और विदेशी भाषाओं को भी। इसका प्रमाण है हिंदी में भरे पड़े अन्य भाषाओं के शब्द। भारत में हिंदी बोलने वाले 69% है और अंग्रेज़ी बोलने वाले 10% से भी कम। हमें अपनी मानसिकता बदलने की आवश्यकता है। हिंदी बोलने या हिंदी में काम करते समय हमें हीन भावना से मुक्त होना चाहिए।

कार्यशाला के अतिथि वक्ता डॉ. विश्वनाथ झा ने सरल भाषा में बहुत ही रोचक ढंग से राजभाषा हिंदी से संबंधित विभिन्न संवैधानिक प्रावधानों, राजभाषा संबंधी लक्ष्यों और हिंदी में कार्य करने के लिए उपलब्ध विभिन्न सूचना प्रौद्योगिकी साधनों पर विस्तार से व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि आजकल हिंदी में कार्य करना बहुत ही आसान है। इसके लिए विभिन्न साधन उपलब्ध हैं। हिंदी में कार्य करते समय समस्याएँ तो आएँगी, लेकिन जितनी समस्याएँ हैं, उन सबका समाधान भी मौजूद है। पूरी लगन और तन्मयता से कार्य करेंगे तो समस्याओं को दूर किया जा सकता है। कोई भी कार्य असंभव नहीं होता। हमें प्रयास करते रहना चाहिए। इस दौरान उन्होंने प्रतिभागियों के शंकाओं का समाधान भी किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के गीत से हुआ। तत्पश्चात श्री जगदीशन ए.के., संयुक्त निदेशक (राजभाषा) ने सभी का स्वागत किया और अंत में श्री प्रताप कुमार दास, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने आभार प्रकट किया। श्रीमती रेखा नायर, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने पूरे कार्यक्रम का संचालन किया।

ICAR-CIFE

ICAR-CIFE
Mumbai

ICAR-CIFE